ISO 9001:2008

मसाला समाचार

भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान
मेरिकुन्नु (पी. ओ.), कोषिक्कोड (केरल), भारत

अंक 26 खण्ड 3 (तिमाही)
जुलाई- सितम्बर 2015

निदेशक की कलम से

विषय सूची

अनुसंधान	2
पुरस्कार/सम्मान	2
प्रमुख घटनायें	3
हिन्दी अनुभाग	4
तकनीकी स्थानान्तरण	5
कृषि विज्ञान केन्द्र	7
प्रकाशन	7

बधाई!

हमारे लिए बहुत हर्ष का समय है कि हमने स्वाश्रय भारत मिशन के साथ मिलकर स्वाश्रय भारत 2015 को बहुत सफलता पूर्वक मनाया। मुख्यतः यह कार्यक्रम स्कूल छात्रों एवं ग्रामीण युवकों को विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के लिये थे। इन कार्यक्रमों में बडी संख्या में पहुंचे छात्र, छात्रायें तथा ग्रामीण युवकों एवं स्कूल के प्रधानाध्यापकों तथा अध्यापकों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रस्तुत करता हूं। क्योंकि उनके बिना यह कार्यक्रम इतना सफल नहीं हो सकता था। इन कार्यक्रमों को आयोजित करने में आयोजन समितियों के संयोजको एवं सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसके लिए वह सभी बधाई के पात्र है।

अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की कार्यशाला एवं इलायची उद्यमियों के साथ पारस्परिक चर्चा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गतिमान विभिन्न परियोजना के शोध कार्यों पर चर्चा हुई और सुझाव दिये गये। इस अवसर पर नयी प्रजातियों के विमोचन तथा तकनीकियों को विस्तार कर्मियों तक पहुंचाने के लिए संस्तुत किया गया। इलायची उद्यमियों के साथ हुई पारस्परिक चर्चा में कृषकों की समस्याओं का समाधान किया गया।

यह उपलब्धियां हमारी एकता का प्रतीक है, जिन्हें हमने एक टीम के रूप में कार्यान्वित किया है। अतः मुझे पूर्णतः विश्वास है कि संस्थान बहुत तेज़ी से विकास के रास्ते पर है। अन्त में, मैं यही कहना चाहूंगा कि किसी संगठन की सफलता किसी व्यक्ति विशेष की नहीं बल्कि पूरी टीम की होती है।

एम. आनंदराज

(एम. आनन्दराज)

अनुसंधान

कीटनाशक सूत्रकृमियों के उत्पादन के लिये नया कृत्रिम मीडिया -आई आई एस आर -ई पी एन उत्पादन मीडिया

कीटनाशक सूत्रकृमियों के उत्पादन के लिये एक नये कृत्रिम मीडिया को विकसित किया। फ्लास्क में मिश्रण भर कर ओटोक्लेव में स्टरालाइज़्ड किया। तत्पश्चात् फ्लास्क को कमरे के तापमान पर ठंडा होने के बाद कीटनाशक सूत्रकृमियों के तृतीय अवस्था के शिशु को उसमें डालकर फ्लास्क को बंद करके रखा। संचारण के दो हफ्ते के अन्दर कीटनाशक सूत्रकृमि बडी मात्रा में फ्लास्क की दीवारों पर दिखने लगते है। इस तकनीकी द्वारा एक ही फ्लास्क के अन्दर लगभग 18-23 लाख कीटनाशक सूत्रकृमियों का उत्पादन कर सकते हैं। इस मीडिया का नाम आई आई एस आर -ई पी एन उत्पादन मीडिया हैं। इस मीडिया से कम लागत में कीटनाशक सूत्रकृमियों का उत्पादन होता है। इस मीडिया के अधिकांश संघटक सस्ते तथा स्थानीय तौर पर उपलब्ध है। अतः किसान अदरक एवं हल्दी को हानि पहुंचाने वाले कीट जैसे प्ररोह बेधक को नियन्त्रित करने के लिये जैविक कारक कीटनाशक सूत्रकृमि को बहुत आसानी से तैयार कर सकते हैं।

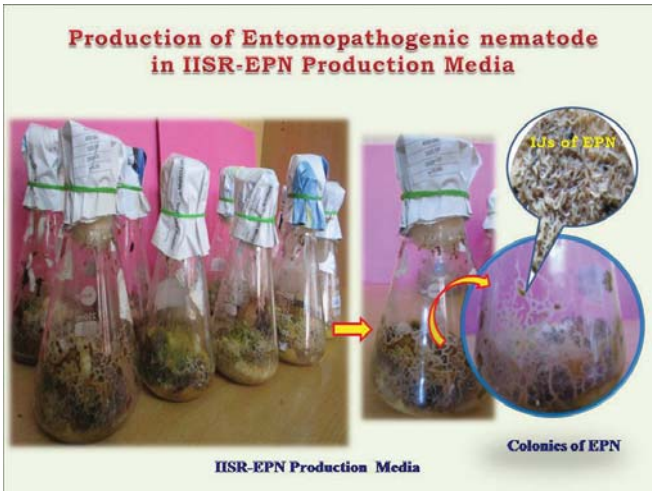

आई आई एस आर -ई पी एन उत्पादन मीडिया में कीटनाशक सूत्रकृमियों का उत्पादन

जननद्रव्य संकलन एवं परिवर्तन

जायफल एवं काली मिर्च के अठारह अक्सेशन तथा एक प्युटेटीव वन्य प्रकार *ज़िंजीबर ओफीशनेले* को केरल के त्रिश्शूर, कोट्टयम तथा इदुक्की जिलों से किसान भागीदारी जननद्रव्य संकलन के दौरान संचित किया गया। इदुक्की जिले से एक अनोखा जायफल प्रकार को भी संचित किया गया।

ज़िंजीबर ओफीशनेले का प्युटेटीव वन्य प्रकार

इदुक्की से संचित अनोखा जायफल प्रकार

सामग्री अन्तरण करार के अन्तर्गत 16 अदरक जीन प्रकार को आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात तथा चार *कुरकुमा* स्पीसीसों को मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई को दिया गया।

इलायची जननद्रव्यों का पुनर्रोपण

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला के जननद्रव्य संग्रहालय में परिरक्षित 405 छोटी इलायची अक्सेशनों को पुनर्रोपण किया गया।

पुरस्कार/ सम्मान एवं मान्यतायें

एम. आनन्दराज

डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरू के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार 4 सितम्बर 2015 को ग्रहण किया।

ई. जयश्री

दिनांक 20 अगस्त 2015 को केलप्पजी कोलेज ओफ इंजीनीयरिंग

एवं तकनोलोजी, केरल कृषि विश्वविद्यालय, तवनूर के सुश्री. डी. पद्मावती, एम. टेक. छात्रा की बाह्य परीक्षक।

टी. जोन ज़करिया

दिनांक 8 सितम्बर 2015 को तकनीकी अधिकारियों के मूल्यांकन समिति, भाकृअनुप- केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड के अध्यक्ष।

के. कण्डियाण्णन

दिनांक 7 सितम्बर 2015 को तकनीकी अधिकारियों के मूल्यांकन समिति-वर्ग I & II, भाकृअनुप-केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड के अध्यक्ष।

सन्तोष जे. ईपन

दिनांक 4 सितम्बर 2015 को एम. फिल. (जैवसूचनायें), जैवसूचनायें एवं कम्प्यूटेशनल बायोलोजी, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम में परीक्षक।

निरीक्षक, अप्लाइड सोयिल इकोलोजी, वर्ल्ड जर्नल ओफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड बायोटेकनोलोजी, जर्नल ओफ माइक्रोबायोलोजी, बायोटेकनोलोजी एण्ड फूड साइन्सेस।

बी. शशिकुमार

दिनांक 6 अगस्त 2015 को आयोजित द्वितीय रिफ्रशर कोर्स इन बायोटेकनोलोजी, कालिकट विश्वविद्यालय के रिसोर्स पर्सन।

श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

ए. के. विजयन, एन. के. लीला, अक्षिता एच. जे., राहुल पी. राज, उत्पला पार्थसारथी एवं के. निर्मल बाबु को अन्डर यूटिलाइस्ड़ प्लान्ट स्पीसीस एक्स्प्लोरेशन एण्ड कनसरवेशन फोर फ्यूचर को आई एस एच एस द्वारा ए सी तथा आर आई, मदुरै में दिनांक 5 अगस्त 2015 को आयोजित III अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में **श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण

लिजो थोमस

दिनांक 16 जुलाई से 5 अगस्त 2015 को आई सी ए आर ग्रीष्म कालीन स्कूल ओन एनलिटिकल टेकनिक्स विषय पर भाकृअनुप-एन आई ए ई पी आर, नई दिल्ली में भाग लिया।

आकाशवाणी कार्यक्रम

पी. एस. मनोज

दिनांक 8 जुलाई 2015 को एच डी पी द्वारा केला उत्पादन को बढाना तथा सूक्ष्मपोषण का उपयोग।

ए. दीप्ती

दिनांक 8 जुलाई 2015 को सी डी बी समर्थित यांत्रीकृत नारियल चढाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल उद्यमियों के साथ साक्षात्कार।

के. के. ऐश्वर्या

दिनांक 6 अगस्त 2015 को मधुमक्खी पालन के सफल किसानों के साथ साक्षात्कार।

एम. एस. मरिया डेयिनी

दिनांक 6 अगस्त 2015 को मृदा परीक्षण के आवश्यकता पर कार्यक्रम।

बी. प्रदीप

दिनांक 3 सितम्बर 2015 को पिंजरा संवर्धन पर कार्यक्रम।

दिनांक 3 सितम्बर 2015 को श्री. मनोज, सफल मत्स्य कृषक के साथ साक्षात्कार।

प्रमुख घटनाएं

कृषि संगोष्ठी

स्वाश्रय भारत 2015 के तत्वावधान से दिनांक 16 सितम्बर 2015 को भाकृअनुप- कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड तथा स्वदेशी विज्ञान आन्दोलन, केरल द्वारा कृषि में युवाओं को आकृष्ट करने हेतु एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री. के. सुनिल, अध्यक्ष, चक्किट्टप्पारा ग्राम पंचायत ने किया तथा डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड समारोह के अध्यक्ष थे। समारोह में डा. के. जयप्रकाश, महासचिव, स्वाश्रय भारत 2015 ने स्वाश्रय भारत मिशन 2015 के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। डा. बी. शशिकुमार, प्रभारी वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा श्री अनिल कुमार, सहायक शिक्षा अधिकारी ने समारोह को सम्बोधित किया तथा डा. पी. राथाकृष्णन, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस संगोष्ठी में कुल 150 लोगों ने भाग लिया जिनमें 14 स्कूलों के छात्र, अध्यापक, युवा कृषि उद्यमी शामिल थे। इस संवादात्मक संगोष्ठी में कृषि में नवीन पद्धतियां, स्वदेशी पशु पालन पद्धतियां तथा आलंकारिक मत्स्य पालन जैसे विषय शामिल थे। कृषि में नवीन तकनीकियों तथा संबन्धित कार्यक्षेत्र के बारे में अवगत कराने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी।

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, पेरुवण्णामुषि में नक्षत्र वनम

संस्थान के अनुसंधान प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में नक्षत्र वनम को स्थापित किया गया। मलयालम कलेंडर के 27 नक्षत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 27 पौधों को केरल वन विभाग से संकलित करके रोपण किया गया।

नक्षत्र वनम में पूरम नक्षत्र के *बूटिया मोनोस्पेरमा* (प्लाश)

दुग्ध पशु पालन इकाई

नेटवर्क परियोजना जैविक खेती के अन्तर्गत भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आई आई एफ एस आर), मोदिपुरम द्वारा धन प्रदत्त एक कृषि प्रणाली इकाई मसाला (हल्दी), दुग्ध पशु, फोडर फसलें (संकर नेपियर घास, सी ओ 3, सीओ 4 कोंगो सिग्नल घास तथा डी एच एन-6) तथा सब्जियों को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के चेलवूर केंपस में स्थापित किया गया। भाकृअनुप- कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि के तकनीकी सहयोग से दो जर्सी क्रोस ब्रीड गायों तथा एक देशी संकर (कासरगोड ड्वार्फ) के साथ दुग्ध पशु इकाई की स्थापना की गई।

कासरगोड ड्वार्फ गाय एवं बछडा

दुग्ध पशु इकाई में जर्सी क्रोस ब्रीड गाय

एकीकृत कृषि प्रणाली दिवस

एकीकृत कृषि प्रणाली (आई एफ एस) का मोडल कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में कार्यान्वित हुआ। जिसमें दुग्ध पशुओं तथा मच्छलियों के साथ अधिक ऊंचाई वाली भूमि में चावल (वैशाख); कन्द फसल जैसे कसावा (श्री पद्मनाभा), जिमीकन्द, अरवी, डायोस्कोरिया; फल फसल जैसे केला, नींबू; मसालों में काली मिर्च, अदरक तथा हल्दी; तरकारियों में कद्दू, अमरान्तस, करी पत्ता, लोबिया, बैंगन, भिण्डी, आईवी लता आदि को किसानों युवाओं तथा घरेलू महिलाओं के बीच शुभारंभ किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र में 29 सितम्बर 2015 को एकीकृत कृषि प्रणाली दिवस मनाया गया तथा कई किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कसावा प्रजाति श्री पद्मनाभा के तना कतरन को किसानों को वितरित किया गया।

भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में आई एफ एस दिवस के अवसर पर कसावा तथा मच्छलियों का फसलन

हिन्दी अनुभाग

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी सप्ताह 2015

संस्थान में दिनांक14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस तथा 14-19 सितम्बर 2015 को हिन्दी सप्ताह मनाया गया। दिनांक 14 सितम्बर

2015 को डा. एम. आनन्दराज, निदेशक की अध्यक्षता में हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न हिन्दी प्रतियोगितायें जैसे, अनुशीर्षक लेखन, हिन्दी कविता लेखन, हिन्दी गीत, स्मरण शक्ति परीक्षण, हास्य घटना, हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन, हिन्दी अन्ताक्षरी को स्टाफ सदस्यों के लिये आयोजित की गयी। विजेताओं को पुरस्कार दिनांक 19 सितम्बर 2015 को समापन समारोह में वितरण किये गये। सुश्री. अमनदीप कौर, आई एफ एस, मण्डलीय वन अधिकारी, कोषिक्कोड समापन समारोह की मुख्य अतिथि थी। इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा पत्रिका मसालों की महक का विमोचन किया गया।

मसालों की महक पत्रिका का विमोचन

कार्यशाला का आयोजन

संस्थान में दिनांक 16 सितम्बर 2015 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। प्रस्तुत कार्यशाला में सुश्री. एस. माया, प्रबन्धक, (राजभाषा), विजया बैंक, कोषिक्कोड ने हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन पर व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला में संस्थान के 17 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रकाशन

प्रस्तुत तिमाही में मसाला समाचार (अंक 26 खंड 2), अनुसंधान के मुख्य अंश (2014-15) एवं अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की वार्षिक प्रतिवेदन (2014-15) का सार प्रकाशित किया।

नराकास गतिविधियां

डा. राशिद परवेज़, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हिन्दी अधिकारी तथा सुश्री एन. प्रसन्नकुमारी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 3 अगस्त 2015 को स्टैट बैंक ओफ त्रावणकोर, एरंजिपालम में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की उप समिति की बैठक में भाग लिया। डा. राशिद परवेज़, सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी तथा श्री के. जी. जगदीशन, सहायक वित्त व लेखा अधिकारी ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 10 अगस्त 2015 को होटल मलबार पैलस में आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में भाग लिया।

तकनीकी स्थानांतरण

सफल गाथा

तेलंगाना के श्री रामप्रसाद रेड्डी, सूचना प्रौद्योगिकी के एक अधिकारी थे। वे भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान द्वारा विमोचित हल्दी की प्रतिभा प्रजाति की सफलता पूर्वक खेती करने पर आन्ध्र प्रदेश तथा तेलंगाना राज्यों के किसानों के बीच बहुत लोकप्रिय हुये हैं।

ज़हीराबाद में श्री रामप्रसाद रेड्डी के खेत में प्रतिभा हल्दी की खेती

कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)

नौ सौ उन्नीस किसानों ने अप्रैल-जून 2015 में एटिक से परामर्श सेवायें प्राप्त की। इसके अलावा विभिन्न स्कूल एवं कोलजों से 303 छात्रों ने केन्द्र का भ्रमण करके संस्थान के कार्यक्रम एवं सुविधाओं के बारे मे जानकारी हासिल की। परामर्श सेवायें विभिन्न माध्यमों जैसे ई-मेल, दूरभाष, व्यक्तिगत भ्रमण आदि द्वारा दी गयी।

राजस्व

रिपोर्टाधीन काल में रोपण सामग्रियों एवं तकनीकियों को क्रय करके कुल 308165 रुपये का राजस्व एकत्रित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने विभिन्न बाह्य धन प्रदत्त परियोजनाओं के अन्तर्गत 28-29 सितम्बर 2015 को वरिष्ठ शोध छात्रों तथा खेत सहायकों के लिये " प्रमुख मसाला तथा नारियल के उत्पादन तकनीकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य परियोजना के अन्तर्गत कार्य करने वालों को

प्रमुख मसाला फसलों एवं नारियल के उत्पादन में नवीन उत्पादन तकनीकियों के बारे में मौलिक जानकारी के साथ कुशल बनाना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मसाला फसलों की खेती में पादप आनुवंशिक संसाधन, फसल सुधार, कृषि प्रबन्धन पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं तकनीकी प्रगतियों पर व्याख्यान आयोजित किये गये।

स्पाइसेस बोर्ड के नये नियुक्त कार्मिकों का आई आई एस आर भ्रमण

अनुगम प्रशिक्षण कार्यक्रम "भारत दर्शन" के भाग के रूप में स्पाइसेस बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों में नये नियुक्त 28 सदस्यों के एक दल ने दिनांक 17 अगस्त 2015 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान को भ्रमण किया। इस दल ने संस्थान की कार्यविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं का भ्रमण करके मसाला अनुसंधान में नवीनतम तकनीकियों के विकास के बारे में परिचित हुआ।

अन्तर संस्थानीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने 11-13 अगस्त 2015 को प्रमुख मसालों के लिये नवीन उत्पादन तकनीकी पर तीन दिवसीय अन्तर्राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। महाराष्ट्र के रत्नगिरि जिले के कृषि तकनीकी प्रबन्धन संस्था (ए टी एम ए) द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रत्नगिरी जिले के दापोली क्षेत्र के 19 किसानों ने भाग लिया। डा. एम. आनन्दराज, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। किसानों को मसाला फसलों के नवीनतम उत्पादन तकनीकियों पर प्रशिक्षण के साथ खेत भ्रमण भी आयोजित किये। प्रशिक्षार्थियों को परंपरागत मुद्रित सामग्रियों के अतिरिक्त ई-लर्निंग सामग्रियां तथा वीडियो आधारित लर्निंग सामग्रियां दि गयी।

अन्तर्राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

खेत भ्रमण

राजभवन, गोआ के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजभवन, गोआ के संपदा प्रबंधन के अधिकारियों के लिये 8-11 सितम्बर 2015 को आई आई एस आर केंपस में मसाला फसलों की नवीन कृषि रीतियों पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण गोआ के लिये उचित प्रमुख मसाला फसलों के पौधशाला में पौधों का प्रवर्धन, पौध संरक्षण तकनीकियों के बारे में दिया गया।

प्रदर्शनी में भागीदारी

कण्णूर में दक्षिण भारतीय कृषि मेला

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने केरल सरकार के कृषि विभाग द्वारा आयोजित दक्षिण भारतीय कृषि मेला तथा राज्य कृषक दिवस में भाग लिया। दिनांक 16-26 अगस्त 2015 को कण्णूर में प्रदर्शनी संपन्न हुई। प्रदर्शनी में कृषि अनुसंधान एवं विकास से जुडे हुये प्रमुख सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत संगठनों ने भाग लिया। इस अवसर पर आई आई एस आर का स्टाल आगन्तुको के आकर्षण का केन्द्र रहा।

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान की प्रदर्शनी स्टाल

रोपण एवं मसाला तकनीकियों पर प्रदर्शनी

भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरू में दिनांक 8-10 सितम्बर 2015 को फाइटोफ्थोरा विषय पर संपन्न हुयी`तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोपण एवं मसाला तकनीकियों की प्रदर्शनी में भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र

अग्र पंक्ति प्रदर्शनी

कृषि विज्ञान केन्द्र ने निम्नलिखित अग्र पंक्ति प्रदर्शनियों को आयोजित किया।

- अदरक की प्रो-ट्रे तकनीक की प्रदर्शनी।
- अदरक के मृदा गलन रोग के प्रबन्धन के लिये पी जी पी आर संपुटित जैव कैप्स्यूल के प्रयोग की प्रदर्शनी।
- अदरक का उच्च उत्पादन एवं गुणवत्ता के लिये आई आई एस आर पावर मिक्स के प्रभाव की प्रदर्शनी।
- स्वच्छ पानी में पर्लस्पोट मच्छलियों का बीज उत्पादन।
- मूल्य वर्धित उपजों का उत्पादन एवं विपणन।

खेतीगत परीक्षण

प्रस्तुत अवधि में निम्नलिखित खेतीगत परीक्षण आयोजित किये गये।

- खारे पानी तालाबों में एशियाई सीबास (*लेट्स कालकारिफर*) का संवर्धन
- काली मिर्च की उपज पर आई आई एस आर पोषण मिश्रण के प्रभाव का मूल्यांकन।
- कलमी काली मिर्च के प्रभाव का मूल्यांकन।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रस्तुत अवधि में किसानों, ग्रामीण युवाओं तथा विस्तार कर्मियों के लिये कुल मिलाकर 25 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इनमें 1253 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्मिकों ने 3 प्रदर्शनियों में भाग लिया। 58 खेत भ्रमण में भाग लेकर 227 परामर्श सेवायें प्रदान कीं। रिवोल्विंग फण्ड द्वारा कुल 673715 रुपये समाहृत किये।

प्रकाशन

प्रस्तुत अवधि काल में एक शोध पत्र, 2 पुस्तक पाठ, 1 पत्रिका तथा 11 लोकप्रिय लेख को विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न वैज्ञानिकों ने दस शोध पत्र को विभिन्न संगोष्ठियों में प्रस्तुत किया।

नई नियुक्तियॉ

नाम	पद	दिनांक
डा. पी. राधाकृष्णन	कार्यक्रम समन्वयक	19 अगस्त 2015

स्थानान्तरण

नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
श्री. पी. रमेश कुमार	मुख्य तकनीकी अधिकारी	10 अगस्त 2015

त्यागपत्र

नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
श्री. अनुपमा जोसफ	वरिष्ठ शोध छात्र (कंप्यूटर विज्ञान) फाइटोफ्यूरा	07 अगस्त 2015

मसाला समाचार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन
भा. कृ. अनु. प. - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान,
कोषिक्कोड- 673012 (केरल), भारत
दूरभाष : 0495 2731410, फेक्सः 0495 2731187

नोटः पी डी एफ संस्करण वेब साइट http://www. spices.res.in/ newsletter/ index.php पर भी उपलब्ध है।

प्रकाशक
एम. आनन्दराज
निदेशक
भा. कृ. अनु. प. - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड

संपादक
राशिद परवेज़
एन. प्रसन्नकुमारी

छाया चित्र
ए. सुधाकरन

Printed at: G K Printers, Kaloor, Cochin - 682 017. Phone : 0484 2340013. Email : gkcochin@gmail.com